SANKALP EK PRAYAS
SOCIETY, BHILAI
Monthly Newsletter

"सीख, सहयोग और संरचना
एक मजबूत नींव का महीना"

मई
2026

संकल्प एक प्रयास:
गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सामुदायिक सशक्तीकरण के संकल्प के साथ मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

ग्रामीण शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ने के लिए प्रयासरत संस्था 'संकल्प एक प्रयास' (SEP) की मासिक कार्यकारिणी समिति की बैठक 8 मई 2026 को संस्था के कार्यालय में आयोजित की गई। 30 अप्रैल 2026 को जारी नोटिस के अनुसार बुलाई गई इस बैठक की शुरुआत सुबह 11:00 बजे हुई, जिसमें अप्रैल माह में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई और आगामी समय के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई।

बैठक की अध्यक्षता कार्यकारिणी समिति के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने की। इसमें अध्यक्ष श्री अब्दुल वसीम, उपाध्यक्ष श्री वी. एस. पांडे, महासचिव श्री परिमल सिन्हा, कोषाध्यक्ष श्री रिनु वी. कोशी, संयुक्त महासचिव श्री एस. के. समाल एवं कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती भावना नायक व श्री अभिषेक कुमार उपस्थित रहे। इसके अलावा संस्था के प्रमुख अभियानों—'सीख' (SEEKH), 'सृजन' (SRIJAN) एवं 'गरिमा' (GARIMA)—के कार्यक्रम प्रबंधक और परियोजना समन्वयक भी विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में बैठक का हिस्सा बने।

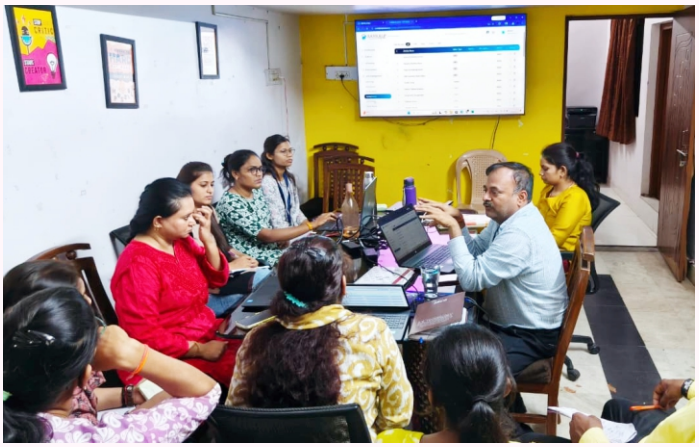

अप्रैल माह की गतिविधियों और प्रगति पर मंथन

बैठक के दौरान अप्रैल महीने में संस्था द्वारा चलाए गए सभी शैक्षणिक व सामाजिक कार्यक्रमों की समग्र समीक्षा की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सभी गतिविधियों का संचालन निर्धारित "आदर्श बाल ग्राम" (ABG) संकेतकों और संस्थागत उद्देश्यों के अनुरूप हो। क्षेत्रीय अनुभवों से मिली सीख के आधार पर जमीनी स्तर पर चल रहे कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बुनियादी शिक्षा, STEM और प्रतियोगी सहयोग पर जोर

बैठक के मुख्य आकर्षणों में से एक शैक्षणिक कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा रही।

सीख (SEEKH) एवं LRC: लर्निंग रिसोर्स सेंटर्स (LRC) के माध्यम से बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान (मूलभूत अधिगम) को मजबूत करने की दिशा में हुए प्रयासों का मूल्यांकन किया गया।

सृजन (SRIJAN) एवं STEM: उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के बच्चों के लिए STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु दिए जा रहे सहयोग को और बेहतर बनाने की सहमति बनी।

सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि केवल गतिविधियां आयोजित करना ही काफी नहीं है, बल्कि बच्चों के सीखने की प्रगति, उनकी नियमित उपस्थिति और अपेक्षित परिणामों की लगातार निगरानी की जानी चाहिए।

'गरिमा' अभियान और सामुदायिक भागीदारी

संस्था के 'गरिमा' कार्यक्रम के तहत समुदाय को शिक्षा और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के प्रयासों की समीक्षा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाई गई। क्षेत्रीय चुनौतियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समाधान-केंद्रित योजनाएं बनाने और मानक कार्यप्रणाली (SOP) को लागू करने का निर्णय लिया गया। ➦

डेटा निगरानी, रिपोर्टिंग और क्षमता विकास

संस्था के कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आंकड़ों के सटीक संकलन और संकेतक-आधारित निगरानी पर विशेष बल दिया गया। यह तय किया गया कि 'गतिविधि से परिणाम और परिणाम से प्रभाव' (Activity to Outcome to Impact) के सिद्धांत को अपनाते हुए एबीजी (ABG) संकेतकों के आधार पर समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, मैदानी स्तर पर कार्यरत कार्यकर्ताओं के निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता विकास (Capacity Building) के कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे।

आगामी माह की कार्ययोजना और भविष्य का रोडमैप

संस्था के कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आंकड़ों के सटीक संकलन और संकेतक-आधारित निगरानी पर विशेष बल दिया गया। यह तय किया गया कि 'गतिविधि से परिणाम और परिणाम से प्रभाव' (Activity to Outcome to Impact) के सिद्धांत को अपनाते हुए एबीजी (ABG) संकेतकों के आधार पर समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, मैदानी स्तर पर कार्यरत कार्यकर्ताओं के निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता विकास (Capacity Building) के कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे।

बैठक के अंतिम चरण में आगामी माह की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया। आने वाले दिनों में:

1. सीख, सृजन और गरिमा कार्यक्रमों की गुणवत्ता और पहुँच का विस्तार किया जाएगा।
2. विज्ञान मेला (Science Fair) STEM गतिविधियों और प्रतियोगी अधिगम सहयोग को प्राथमिकता दी जाएगी।
3. अभिभावक-शिक्षक संवाद और सामुदायिक सहभागिता को और मजबूत बनाया जाएगा।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बाद धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक का समापन किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि इन सामूहिक प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव और अधिक मजबूत होगी।

सशक्त बेटियाँ, समृद्ध समाज:

'गरिमा' कार्यक्रम ने मई माह में गढ़ी सामाजिक बदलाव की नई रूपरेखा

ग्रामीण अंचल में किशोरियों और महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समानता को एक नई दिशा देने के लिए 'गरिमा' कार्यक्रम के अंतर्गत मई माह में विशेष रणनीतिक नियोजन एवं शैक्षणिक कार्ययोजना तैयार की गई। इस पूरे अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त असमानता को दूर कर बेटियों में आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है।

मई माह के दौरान 'गरिमा मंच' की वार्षिक कार्ययोजना को अंतिम रूप देते हुए आगामी अभियानों की सुदृढ़ नींव रखी गई। इस दौरान जिन प्रमुख शैक्षणिक और कार्यक्रम नियोजन स्तंभों पर विशेष रूप से कार्य किया गया, वे इस प्रकार हैं:

वार्षिक कार्ययोजना एवं संचालन रणनीति: 'गरिमा मंच' को अधिक प्रभावी बनाने के लिए गांवों और विद्यालय स्तर पर नियमित बैठकों, सामुदायिक अभियानों और सहभागी गतिविधियों का वार्षिक खाका तैयार किया गया।

जेंडर समानता एवं महिला अधिकार: जेंडर भूमिकाओं (Gender Roles), समान अवसरों और अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा आयोजित करने की योजना बनी, जिससे बालिकाएं अपने अधिकारों को पहचानकर निडरता से अपने निर्णय ले सकें।

किशोरी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (MHM): किशोरियों में स्वास्थ्य जागरूकता और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (Menstrual Hygiene Management) को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक सत्रों और गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई।

क्षमता विकास एवं फील्ड मार्गदर्शन: गरिमा टीम और मैदानी कार्यकर्ताओं के फैसिलिटेशन स्किल्स (Facilitation Skills), गतिविधि-आधारित शिक्षण और मेंटरिंग के लिए एक व्यवस्थित प्रशिक्षण व सपोर्ट फ्रेमवर्क विकसित किया गया।

सामुदायिक सहभागिता एवं नया पंजीकरण: गृह भ्रमण (Home Visits), सामुदायिक बैठकों और नए सदस्यों के पंजीकरण के माध्यम से परिवार और समाज को जोड़ने की रणनीति बनाई गई, ताकि किशोरियों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

स्कूल इंटरवेंशन एवं SOP: विद्यालयों में कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए 'School Intervention SOP' तैयार किया गया। इसमें स्कूल में प्रवेश, हितधारकों से समन्वय, सत्र संचालन और फॉलो-अप की प्रक्रियाओं को पूरी तरह स्पष्ट और व्यवस्थित किया गया है।

'गरिमा' करिकुलम मॉड्यूल का सुदृढ़ीकरण: गरिमा पाठ्य-सामग्री (Curriculum Module) को और अधिक रोचक, व्यावहारिक एवं सहभागी बनाने के लिए जीवन-कौशल (Life Skills), सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े सत्रों की समीक्षा कर आवश्यक संशोधन किए गए।

पारदर्शी मूल्यांकन एवं दस्तावेजीकरण: गतिविधियों के जमीनी प्रभाव को सटीक रूप से मापने के लिए प्री-टेस्ट/पोस्ट-टेस्ट, उपस्थिति और सत्र रिपोर्टिंग के मानकीकृत प्रारूप (Templates) तैयार कर उनका नियमित उपयोग सुनिश्चित किया गया।

वर्षभर के जागरूकता अभियान: वार्षिक कैलेंडर के तहत खेल, स्टोरीटेलिंग, विशेष दिवसों और समूह चर्चाओं की रूपरेखा बनाई गई, जिसे 'आदर्श बाल ग्राम' (ABG) के व्यापक लक्ष्यों के साथ जोड़ा गया।

समग्र रूप से, जेंडर समानता, किशोरी स्वास्थ्य, सामुदायिक सहभागिता और रणनीतिक दस्तावेजीकरण को एकीकृत करते हुए मई माह में आगामी क्रियान्वयन रोडमैप (Implementation Roadmap) को समयबद्ध तरीके से लागू करने की मजबूत तैयारी की गई है। 'गरिमा' कार्यक्रम की यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में किशोरी सशक्तिकरण की एक अनुकरणीय मिसाल बन रही है।

पीयर लर्निंग का नया अध्याय:

बच्चों ने सम्हाली कमान, 'शिक्षा मित्र' बन चमका रहे गणित और जीवन के कौशल

कक्षाओं में जहाँ अक्सर ब्लैकबोर्ड और शिक्षक की आवाज़ ही मुख्य केंद्र हुआ करती थी, वहाँ अब एक अनूठी और जीवंत बदलाव की बयार बह रही है।

प्राथमिक शिक्षा को अधिक सुलभ, आनंददायक और बाल-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से 'पीयर लर्निंग प्रोग्राम' (Peer Learning Program) की शुरुआत की गई है। इस सहभागी मॉडल के तहत कक्षा 3 से 5 तक के बच्चे अब केवल शिक्षार्थी नहीं रहे, बल्कि स्वयं एक-दूसरे के "शिक्षा मित्र" बनकर पढ़ाई को आसान और रोचक बना रहे हैं।

यह कार्यक्रम बच्चों में 'स्व-शिक्षण' (Self Learning) और 'सह-शिक्षण' (Peer Learning) की भावना जगाने के साथ-साथ गणित जैसे विषयों का डर दूर कर उनमें आलोचनात्मक चिंतन, समस्या समाधान, प्रभावी संप्रेषण और नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों का विकास कर रहा है।

प्रशिक्षण से हुई मजबूत नींव की शुरुआत

कार्यक्रम की योजना को धरातल पर उतारने के लिए सबसे पहले विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। जून माह के दौरान फेलो (Fellows) और शिक्षकों के क्षमता निर्माण (Capacity Building) पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षकों और फेलोज को पीयर लर्निंग की अवधारणा, शिक्षण-सामग्री (TLM) के प्रयोग, लॉगबुक मेंटेनेंस और 'शिक्षा मित्र' के चयन की रणनीतियों से लैस किया गया, ताकि हर सेंटर पर इसे सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

जुलाई: बेसलाइन असेसमेंट से 'शिक्षा मित्र' के चयन तक का सफर

जुलाई का महीना इस कार्यक्रम में वास्तविक गति लेकर आया, जिसे पाँच क्रमबद्ध चरणों में लागू किया गया:

बेसलाइन असेसमेंट (आधारभूत आकलन): सबसे पहले प्रत्येक बच्चे का व्यक्तिगत रूप से खेल-खेल में मौखिक और लिखित परीक्षण लिया गया। बिना किसी डर के, फ्लैश कार्ड, पासे और संख्या कार्ड जैसे TLM की मदद से बच्चों के गणितीय कौशल (गिनती, जोड़, घटाव, गुणा, भाग) का आकलन हुआ। इसके आधार पर बच्चों को तीन समूहों—फाउंडेशनल (अधिक सहायता), प्रैक्टिस (नियमित अभ्यास), और लीडरशिप ग्रुप (सहयोग हेतु सक्षम) में वर्गीकृत किया गया।

शिक्षा मित्र का चयन: केवल पढ़ाई में तेज़ होना ही नहीं, बल्कि धैर्य से समझाना, सम्मानजनक भाषा का प्रयोग, समय पर उपस्थित होना और समावेशी सोच रखना—इन पैमानों पर खरे उतरने वाले बच्चों को 'शिक्षा मित्र' चुना गया। यह व्यवस्था स्थायी न होकर 'रोटेशन सिस्टम' पर आधारित है, ताकि हर बच्चे को नेतृत्व का अवसर मिले।

पंजीकरण एवं ओरिएंटेशन: पारदर्शिता और सटीक ट्रैकिंग के लिए प्रत्येक सेंटर के शिक्षा मित्रों और उनके समूहों का विधिवत पंजीकरण किया गया। इसके तुरंत बाद, चुने गए बाल-नेताओं को उनकी जिम्मेदारियों, TLM के प्रयोग, समय प्रबंधन (5 मिनट वार्म-अप से लेकर समूह अभ्यास और समीक्षा तक) तथा समूह संचालन के तरीकों से अवगत कराया गया।

समूह निर्माण (Group Formation): प्रत्येक शिक्षा मित्र के साथ समान सीखने के स्तर वाले 4-5 बच्चों का समूह बनाया गया। बच्चों ने स्वयं अपनी टीमों के नाम—'गणित मित्र', 'ज्ञान दीप', 'उड़ान', और 'चैंपियन टीम' रखे, जिससे उनमें एक नया उत्साह और अपनेपन की भावना जागृत हुई।

सप्ताहिक क्रियान्वयन और संवाद से निखरती प्रतिभा

वर्तमान में यह मॉडल सप्ताह में 2 दिन (Math Days) 1-1 घंटे के सत्रों में संचालित हो रहा है। जहाँ शिक्षक पहले चरण में नए कॉन्सेप्ट्स समझाते हैं, वहीं अगले चरण में शिक्षा मित्र अपनी टोली के साथ अभ्यास और गतिविधियों को आगे बढ़ाते हैं।

प्रशिक्षण और बैठकों को केवल सैद्धांतिक न रखकर चिंतनशील बनाया गया है। इसमें प्रतिभागियों से यह सवाल भी पूछे जा रहे हैं कि "यदि बेसलाइन असेसमेंट न हो तो क्या कठिनाई होगी?" या "क्या केवल पढ़ाई में होशियार बच्चा ही शिक्षा मित्र बन सकता है?" इन प्रश्नों ने शिक्षकों और फेलोज के भीतर कार्यक्रम को लेकर व्यावहारिक समझ को और गहरा किया है।

इस सहभागी पहल ने लर्निंग रिसोर्स सेंटर्स (LRC) को और अधिक सक्रिय, आनंदमयी और परिणाम-उन्मुख बना दिया है। सहपाठियों के सहयोग से अब हर बच्चा झिझक छोड़कर खुलकर सवाल पूछ रहा है और आत्मविश्वास के साथ सीखने की ओर कदम बढ़ा रहा है।

बाल शिक्षा और ग्रामीण विकास की दिशा में नई पहल: "संकल्प एक प्रयास" के तहत आदर्श बाल ग्राम मॉडल को मिली मजबूती

मई 2026— बच्चों के सर्वांगीण विकास और ग्रामीण शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित "संकल्प एक प्रयास" कार्यक्रम के अंतर्गत मई माह में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गई। आदर्श बाल ग्राम फेलो के रूप में कार्य करते हुए, इस अवधि में मुख्य रूप से पाठ योजनाओं के निर्माण, प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास और आदर्श बाल ग्राम मॉडल के कार्यान्वयन ढांचे (Implementation Structure) को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

बुनियादी शिक्षा और पाठ योजनाओं का सुदृढ़ीकरण

प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कक्षा 1 और 2 के विद्यार्थियों हेतु अंग्रेजी की विशेष पाठ योजनाएँ तैयार की गई।
5E मॉडल का प्रयोग: सभी पाठ योजनाओं को आधुनिक 5E मॉडल (Engage, Explore, Explain, Elaborate, Evaluate) के आधार पर डिजाइन किया गया है, जिससे बच्चे खेल-खेल में सीख सकें।

स्तरीय शिक्षण (Learning Levels): बच्चों की सीखने की अलग-अलग क्षमताओं और विविध आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक पाठ योजना को तीन अलग-अलग शिक्षण स्तरों में बांटा गया है।

सर्वांगीण विकास और गतिविधि-आधारित शिक्षण

शनिवारीय गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के बहुआयामी विकास के लिए विशेष मॉड्यूल और अध्ययन सामग्री तैयार की गई:

- **विविध विषयों का समावेश:** सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (SEL), क्वालिटी सर्कल टाइम (QCT), कला एवं क्राफ्ट और पर्यावरण अध्ययन (EVS) के लिए बाल-केंद्रित पाठ योजनाएँ तैयार की गई।

- **टीएलएम और गतिविधियाँ:** बच्चों को व्यावहारिक अनुभव देने के लिए गतिविधि-आधारित शिक्षण-सामग्री (TLM) विकसित की गई।

- **चुनौती और समाधान:** सर्वांगीण विकास गतिविधियों के दौरान बच्चों के स्थानीय व मौसमी संदर्भों को अन्य विषयों के साथ सहजता से जोड़ने में कुछ व्यावहारिक चुनौतियाँ आईं, जिन्हें निरंतर सुधार और स्पष्टता के माध्यम से हल करने का प्रयास किया गया।

आदर्श बाल ग्राम मॉडल का सुदृढ़ीकरण

गाँव के स्तर पर इस मॉडल को अधिक व्यावहारिक, संरचित और प्रभावी बनाने के लिए फेलो ने टीम के साथ मिलकर मुख्य सूचकांकों (Indicators) को अंतिम रूप देने का काम किया।

यद्यपि सूचकांकों के लिए मापने योग्य और सटीक मानक तय करने में विस्तृत चर्चा और सुधार की आवश्यकता पड़ी, लेकिन गहन विचार-विमर्श के बाद स्पष्ट मापदंड विकसित कर लिए गए। संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान मजबूत टीम वर्क और सहयोगात्मक योजना ने कार्य की गुणवत्ता को निखारने में मुख्य भूमिका निभाई।

आगे की राह: आगामी माह की योजनाएँ

मई माह में निर्मित ढाँचे को अब धरातल पर उतारने की तैयारी है। आगामी महीने में निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर कार्य किया जाएगा:

व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम: सभी शिक्षकों और फेलोज़ के लिए आदर्श बाल ग्राम मॉडल पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जाएगा।

स्पष्ट भूमिका निर्धारण: पूरे वर्ष गाँवों को आदर्श बाल ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए शिक्षकों और फेलोज़ की जिम्मेदारियाँ तय की जाएँगी।

व्यावहारिक कार्यान्वयन: प्रशिक्षण का मुख्य फोकस मॉडल की मैदानी स्तर पर बेहतर समझ और प्रभावी क्रियान्वयन पर रहेगा।

मई माह के दौरान हासिल की गई प्रगति यह दर्शाती है कि चुनौतियों के बावजूद सुव्यवस्थित योजना और समर्पित टीम वर्क के जरिए ग्रामीण शिक्षा के परिदृश्य में एक सकारात्मक बदलाव लाया जा रहा है।

ग्रामीण प्रतिभाओं को नई उड़ान देता 'सृजन' का MSSP कार्यक्रम:

एक ग्राउंड रिपोर्ट

ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सक्षम बनाने की दिशा में 'संकल्प एक प्रयास संस्था' द्वारा संचालित 'सृजन' (MSSP - मेधावी छात्र सहायता कार्यक्रम) एक नई क्रांति की पटकथा लिख रहा है। कक्षा 8 वीं के ग्रामीण विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह 2 घंटे का दैनिक शैक्षणिक मॉडल न केवल बच्चों का बुनियादी ज्ञान मजबूत कर रहा है, बल्कि उनमें राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति (NMMSE) और नवोदय विद्यालय जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं को क्रैक करने का आत्मविश्वास भी भर रहा है।

सपनों की ज़मीन से चयन तक का सफर

कार्यक्रम की शुरुआत केवल किताबों तक सीमित नहीं है। संस्था के कार्यकर्ता और फेलो सबसे पहले गाँव-गाँव जाकर स्कूलों का भ्रमण करते हैं। 50 से 60 प्रतिशत अंक लाने वाले और सीखने की ललक रखने वाले बच्चों को चिन्हित किया जाता है। इसके बाद बेसलाइन टेस्ट आयोजित कर छात्रों का तीन अलग-अलग समूहों में वर्गीकरण किया जाता है—उत्कृष्ट performance वाले, औसत और अधिक सहायता की आवश्यकता वाले बच्चे।

दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों—जैसे आधार कार्ड, आय या जाति प्रमाण पत्र की कमी—को भी फेलो और कार्यकर्ता घर-घर जाकर पूरा करवाते हैं, ताकि किसी भी होनहार बच्चे का अवसर सरकारी कागजों की कमी की वजह से न छूटे।

कक्षा का माहौल: 2 घंटे, जो बदलते हैं सोच

हर दिन 2 घंटे संचालित होने वाली इन कक्षाओं का ढांचा काफी वैज्ञानिक और बाल-मित्रवत (Child-friendly) रखा गया है:

- **शुरुआत (5 मिनट):** उपस्थिति और आत्मविश्वास बढ़ाने वाली हल्की-फुल्की गतिविधियां।
- **भाषा एवं गणित (30 मिनट):** भाषा ज्ञान, शब्द भंडार, स्पीड मैथ्स और बेसिक कैलकुलेशन।
- **तार्किक क्षमता (20 मिनट):** पहेलियाँ, कोडिंग-डीकोडिंग और रीज़निंग।
- **गतिविधि आधारित शिक्षण (20 मिनट):** खेल-खेल में प्रतियोगी परीक्षा के सिद्धांतों को सीखना।
- **अभ्यास व संदेह निवारण (15 मिनट):** मॉक प्रश्न, ओएमआर (OMR) शीट भरने का अभ्यास और शंका समाधान।

हफ़्ते भर के इस टाइमटेबल में गणित, विज्ञान, मानसिक योग्यता और सामाजिक विज्ञान का संतुलित समन्वय होता है, जिससे शनिवार को मॉडल पेपर टेस्ट की तैयारी पूरी हो जाती है।

सहानुभूति और तकनीक का संगम

MSSP कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत इसका 'क्रिटिकल चाइल्ड सपोर्ट' (Critical Child Support) मॉडल है। जो बच्चे पढ़ाई में पीछे छूट रहे हैं या जिनकी उपस्थिति कम है, उन्हें स्थायी रूप से 'कमजोर' न मानकर विशेष ध्यान देने योग्य चिन्हित किया जाता है। LRC स्वयंसेवक छोटे-छोटे समूहों में ऐसे बच्चों को रिमेडियल (उपचारात्मक) शिक्षा और शॉर्टकट ट्रिक्स के ज़रिए मुख्यधारा में वापस लाते हैं।

शिक्षकों को 5E पद्धति, डेटा ट्रैकिंग और ट्रिकी-बेस्ड टीचिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे पढ़ाई उबाऊ न होकर एक दिलचस्प गतिविधि बन जाती है।

समुदाय और अभिभावकों की भागीदारी

केवल बच्चों को पढ़ाना ही काफी नहीं होता; जब तक अभिभावक और समुदाय साथ न आएं, सफलता अधूरी रहती है। MSSP के तहत नियमित PTM (शिक्षक-अभिभावक बैठक) और गृह भेंट (Home Visits) का आयोजन किया जाता है।

अभिभावकों को समझाया जाता है कि बच्चों को घर पर रोजाना कम से कम 15 से 30 मिनट का शांत अध्ययन समय दें और उनकी तुलना दूसरों से करने के बजाय उनका हौसला बढ़ाएं। वी-लेक (VLEC) सदस्य और स्कूल प्रबंधन समितियां (SMDC) गाँव के स्तर पर इस पूरे शैक्षणिक माहौल की निगरानी और सहयोग करती हैं।

सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, एक आंदोलन

जुलाई में बेसलाइन एसेसमेंट से शुरू होकर मार्च में परिणाम विश्लेषण तक चलने वाला यह 14 चरणों का शैक्षणिक रोडमैप केवल छात्रवृत्ति पाने का जरिया भर नहीं है। यह ग्रामीण भारत के बच्चों में तार्किक सोच, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल (SEL) विकसित करने का एक समग्र मंच बन चुका है।

सही दिशा, नियमित मॉक टेस्ट, सटीक डेटा ट्रैकिंग और समुदाय के सहयोग से MSSP आज ग्रामीण प्रतिभाओं के सपनों को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने का काम पूरी निष्ठा से कर रहा है।

6 नवोदय का नया संकल्प:

'आदर्श बाल ग्राम' की नींव और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की राह

इस माह शिक्षा और नवोत्थान के क्षेत्र में एक नई अलख जगाई गई, जहाँ मुख्य केंद्र बिंदु 'नवोदय कार्यक्रम' की व्यापक तैयारी और 'आदर्श बाल ग्राम' की संकल्पना को साकार करना रहा। ग्रामीण आंचल के होनहार बच्चों को नवोदय विद्यालय की कठिन परीक्षा में सफलता दिलाने के ध्येय से इस माह एक विशेष और सुनियोजित अभियान की शुरुआत की गई।

अनुभवों से उपजी एक नई रणनीति

माह की शुरुआत वंदना मैम, परिमल सर और समर्पित टीम सदस्यों के बीच गहन मंथन से हुई। पिछले वर्षों की चुनौतियों, बच्चों के सीखने के स्तर और शिक्षकों की व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष की रणनीति तैयार की गई। मुख्य उद्देश्य एक ही था —नवोदय की तैयारी को हर बच्चे और शिक्षक के लिए सहज, प्रभावी और परिणामदायी बनाना।

नवोदय कार्यक्रम: सफलता के लिए बुना गया ताना-बाना

इस पूरे माह नवोदय परीक्षा में बच्चों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी स्तर पर काम किया गया:

- ***सटीक टाइम टेबल और सिलेबस प्लान:*** बच्चों की पढ़ाई को एक दिशा देने के लिए दैनिक और मासिक समय-सारिणी तैयार की गई। इसमें यह स्पष्ट रूप से तय किया गया कि किस माह और किस दिन कौन-सा अध्याय पूरा किया जाएगा। हिंदी, गणित और रीजनिंग के लिए अलग-अलग सूक्ष्म योजनाएँ बनाई गई।

- ***सरल एवं प्रभावी लेसन प्लान:*** शिक्षकों के मार्गदर्शन के लिए विषयवार कंटेंट और सरल 'लेसन प्लान' तैयार किए गए, ताकि कक्षा में शिक्षण प्रक्रिया एकदम स्पष्ट और व्यवस्थित रहे। हिंदी का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, वहीं गणित के अध्यायों को आसान बनाने पर लगातार काम जारी है।

- ***रीजनिंग के लिए डिजिटल सहायता:*** रीजनिंग विषय के लगभग 10 महत्वपूर्ण अध्यायों पर विशेष काम हुआ। बच्चों की समझ को और गहरा करने के लिए प्रासंगिक यूट्यूब वीडियो खोजकर चुने गए, जिन्हें लेसन प्लान में जोड़ा गया है ताकि शिक्षक इनका उपयोग सहायक सामग्री के रूप में कर सकें।

- ***गणित की चुनौतियों से पार पाने का प्रयास:*** गणित विषय को लेकर अक्सर बच्चों में झिझक रहती है। इस माह विशेष ध्यान दिया गया कि गणितीय संकल्पनाओं को आसान तरीकों, व्यावहारिक उदाहरणों और शॉर्ट ट्रिक्स के माध्यम से तैयार किया जाए ताकि बच्चों का डर दूर हो सके।

- ***सफलता का रिकॉर्ड और डेटा अपडेट:*** नवोदय परीक्षा में पूर्व में चयनित हो चुके बच्चों का डेटा सिस्टम में अपडेट करने का कार्य भी तेज़ी से किया गया, जिससे आगामी छात्रों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण और डेटा उपलब्ध हो सके।

'आदर्श बाल ग्राम' और निरंतर समीक्षा

नवोदय की तैयारियों के साथ-साथ गाँव और बच्चों के समग्र विकास के लिए 'आदर्श बाल ग्राम' के मानकों (इंडिकेटर्स) पर भी ठोस काम किया गया। परिमल सर के साथ हुई नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से प्रगति का आकलन किया गया और प्राप्त फीडबैक के आधार पर सुधार किए गए। वंदना मैम द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर नवोदय की पूरी योजना और अध्ययन सामग्री को और अधिक परिष्कृत किया गया।

भविष्य की दिशा

नवोदय की इस यात्रा ने इस माह एक ठोस आधारशिला रख दी है। आगामी समय में गणित की सामग्री को अंतिम रूप देने, लेसन प्लान को पूर्णतः सत्यापित करने और नवोदय कार्यक्रम के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों के सपनों को पंख लगाने की दिशा में पूरी टीम पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है।

7 गणितीय प्राथमिक शिक्षा को नई दिशा:

मई 2026 में रचा गया गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षण का नया ढांचा

प्राथमिक कक्षाओं में गणित विषय के प्रति अक्सर बच्चों में दिखने वाले डर को दूर करने और हर बच्चे को उसकी सीखने की क्षमता के अनुसार ढालने के उद्देश्य से मई 2026 के दौरान एक व्यापक शैक्षणिक अभियान चलाया गया। इस पूरे माह का मुख्य केंद्र कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए गणित विषय को सरल, सुगम और अधिगम परिणाम आधारित (Learning Outcome Based) बनाना रहा।

गणित शिक्षण को मिली नई उड़ान: NCERT आधारित सूक्ष्म योजना

गणित विषय को प्राथमिक स्तर पर अधिक प्रभावी और बाल-केंद्रित बनाने के लिए NCERT आधारित 'लर्निंग आउटकम्स' का सूक्ष्म अध्ययन और विकास किया गया। इस पूरी योजना की सबसे बड़ी खासियत इसका स्तरबद्ध विभाजन है:

माहवार और दिवसवार योजना (Month-wise & Day-wise Planning): पूरे शैक्षणिक सत्र के लिए गणित के लक्ष्यों को पहले महीने के हिसाब से और फिर प्रत्येक दिन के हिसाब से बाँटा गया, ताकि दैनिक कक्षा संचालन को एक स्पष्ट दिशा मिल सके।

त्रि-स्तरीय (Low, Medium, High) पाठ योजनाएं: बच्चों की सीखने की अलग-अलग गति को ध्यान में रखते हुए 5E मॉडल (Engage, Explore, Explain, Elaborate, Evaluate) पर आधारित पाठ योजनाएं (Lesson Plans) तैयार की गई। जुलाई, अगस्त और सितंबर माह के लिए बने इन लेसन प्लान्स में हर स्तर (Low, Medium, High) के बच्चे के लिए अलग-अलग गतिविधियां, प्रश्न और शिक्षण रणनीतियां शामिल की गई।

गणितीय अवधारणाओं पर विशेष ध्यान: संख्या ज्ञान, जोड़-घटाव, गुणा-भाग जैसे मूलभूत संप्रत्ययों से लेकर भिन्न, दशमलव, समय, कैलेंडर, लाभ-हानि और दूरी जैसे व्यावहारिक विषयों पर विशेष शैक्षणिक सामग्री और गतिविधि आधारित TLM विकसित किए गए।

सटीक मूल्यांकन: गणितीय समझ को परखने के लिए बहुविकल्पीय, लघु-उत्तरीय और गतिविधि आधारित प्रश्नों से सुसज्जित माहवार टेस्ट पेपर व 'असेसमेंट फ्रेमवर्क' तैयार किया गया।

संगठनात्मक संवाद और ABG इंडिकेटर्स पर काम

गणित विषय के इस शैक्षणिक ढांचे को धरातल पर उतारने के साथ-साथ संस्थागत मजबूती पर भी ध्यान दिया गया। संस्थापक श्री परिमल सिन्हा और कोऑर्डिनेटर मैम के साथ आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में संगठन की शैक्षणिक संरचना और आगामी 'लर्निंग सेंटरों' के संचालन पर विस्तृत चर्चा हुई।
बैठक के दौरान ABG Indicators के मानकों, आवश्यक साक्ष्यों और क्रियान्वयन रणनीति को अंतिम रूप दिया गया, जिससे नए खुलने वाले लर्निंग सेंटरों में शिक्षण की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

चुनौतियां और उपलब्धियां

प्राथमिक स्तर पर गणित की इस विस्तृत योजना को तैयार करना आसान नहीं था।
"प्रत्येक दिन के लेसन प्लान को तीन अलग-अलग स्तरों (Low, Medium, High) के अनुसार ढालना और लर्निंग आउटकम्स के साथ मूल्यांकन सामग्री का सटीक तालमेल बिठाना एक बेहद सूक्ष्म और चुनौतीपूर्ण कार्य था।"

हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद यह पहल शिक्षकों के लिए एक तैयार मार्गदर्शिका और विद्यार्थियों के लिए एक समावेशी माहौल बनाने में सफल रही। अब शिक्षक कक्षा में हर बच्चे की आवश्यकता के अनुसार उसे गणित सिखा सकेंगे।

जून 2026: अगले चरण की तैयारी

मई माह की सफल आधारशिला के बाद जून 2026 के लिए नया रोडमैप तैयार कर लिया गया है:

गणित शिक्षण का विस्तार:
जून माह के लिए विस्तृत गणित पाठ योजनाएं और गतिविधि-आधारित शिक्षण सामग्री तैयार की जाएगी।

लर्निंग सेंटर संचालन:
प्रस्तावित सेंटरों के प्रशासनिक व शैक्षणिक संचालन को अंतिम रूप दिया जाएगा।

शिक्षक प्रशिक्षण:
शिक्षकों के लिए SOP, LRC संचालन और गणित के कठिन टॉपिक्स को पढ़ाने की तकनीक पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे।

सतत समीक्षा:
ABG Indicators के आधार पर प्रगति की नियमित निगरानी की जाएगी।

मई 2026 में किए गए ये प्रयास केवल कागजी योजना तक सीमित न रहकर, प्राथमिक कक्षाओं में गणित शिक्षा को समावेशी, रुचिकर और परिणाम-उन्मुख बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुए हैं।

प्रिय पाठकों,

मई 2026 का यह महीना 'संकल्प एक प्रयास' के शैक्षणिक और सामाजिक मिशन में एक नया मोड़ और सुदृढ़ आधारशिला साबित हुआ है। जब मैं इस पूरे महीने के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों और प्रयासों पर नज़र डालता हूँ, तो मुझे केवल कागजी योजनाएँ नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचल के बच्चों, किशोरियों और शिक्षकों के भीतर जगता हुआ एक नया आत्मविश्वास दिखाई देता है।

'आदर्श बाल ग्राम' (ABG) मॉडल को ज़मीनी हकीकत में बदलने की दिशा में इस माह हमने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। कक्षा 1 व 5 के विद्यार्थियों के लिए 5E मॉडल पर आधारित त्रि-स्तरीय (Low, Medium, High) अंग्रेजी व गणित की पाठ योजनाओं का निर्माण और NCERT के लर्निंग आउटकम्स का सूक्ष्म नियोजन हमारी शैक्षणिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके साथ ही, 'सृजन' (MSSP) के ज़रिए ग्रामीण बच्चों को नवोदय और NMMSE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने का वैज्ञानिक ढाँचा और 'गरिमा' कार्यक्रम के तहत किशोरियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, MHM व अधिकारों के लिए तैयार की गई School Intervention SOP समाज में बदलाव की एक मजबूत नींव रख रही है।

मुझे यह साझा करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि संस्था की कार्यकारिणी समिति की रणनीतिक बैठकों और मैदानी स्तर पर हमारे समर्पित फेलोज़ व कार्यकर्ताओं के अनवरत प्रयासों से आज हर पहल परिणाम-उन्मुख बन रही है। चाहे वह शनिवारीय गतिविधियों (SEL, QCT, Art & Craft) के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास हो या 'गरिमा मंच' के जरिए सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करना—हमारा हर कदम ग्रामीण भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाने की ओर अग्रसर है।

हमारी यात्रा चुनौतियाँ से भरी ज़रूर है, लेकिन सुव्यवस्थित योजना और समर्पित टीम वर्क के बल पर हमारे हौसले अडिग हैं। आइए, हम सब मिलकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता और सामुदायिक सशक्तीकरण के इस संकल्प को हर गाँव और हर बच्चे तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रहें।

सस्नेह और शुभकामनाओं सहित,

परिमल सिन्हा,

संस्थापक- संकल्प एक प्रयास

हमारे सहयोगी संस्थाएं

Caring Friends – Helping Good NGOs Perform Better – MUMBAI

Arpan Foundation

DONATEKART

muktangan – learning & growing together

Asha for Education – Bringing hope through education

phf Paul Hamlyn Foundation

INVOLVE – Building Tomorrow

अध्ययन ADHYAYAN

SANKALP – Empowering Dreams, Building Future

SANKALP EK PRAYAS
SOCIETY, BHILAI

Sankalp ek prayas, Virat Nagar, Utai, Durg (C.G.)

Email : sankalpekprayas@gmail | Web : www.sankalpekprayas.org

Follow us on : @SankalpEkPrayas-s4i @SANKALPEK_PRAYAS